एक नजर में

लोकनायक व नानाजी के जन्मदिवस पर व्याख्यान

इंदौर. लोकतंत्र सेनानी संघ की इंदौर जिला इकाई द्वारा आज लोकनायक जयप्रकाश नारायण एवं नानाजी देशमुख के जन्मदिवस के अवसर पर व्याख्यान आयोजित किया गया. भाजपा कार्यालय, इंदौर में आयोजित इस बौद्धिक आयोजन में विद्वान वक्ताओं ने आपातकाल ,सम्पूर्ण क्रांति, सप्तक्रांति और नानाजी के ग्राम उत्थान कार्यों पर विशद विचार प्रकट किये. राजयसभा के पूर्व सदस्य माननीय मेघराज जैन एवं वरिष्ठ भाजपा विचारक बाबुसिह रघुवंशी ने लोकतंत्र सेनानियों के त्याग और आपातकाल की कठोर परिस्थितियों का वर्णन किया और आपातकाल के नायकों का गुणगान किया. सांसद शंकर लालवानी के मुख्य आतिथ्य में दिप प्रज्ज्वलन किया गया. जिला लोकतंत्र सेनानी संघ के अध्यक्ष गिरीश शर्मा आदित्य ने स्वागत भाषण में देश के समस्त लोकतंत्र सेनानियों की सम्मान निधि में एकरूपता लेन के लिए अधिसूचना जारी करने की मांग की और कहा कि हम वर्तमान सरकारों के निर्माणों की नींव के पत्थर हैं. अतिथियों का स्वागत, प्रदेश उपाध्यक्ष गणेश अग्रवाल, गिरीश शर्मा आदित्य, गंगाराम चौधरी, आलमगीर गौरी आदि ने किया. संचालन विपिन शेखावत ने किया. आभार प्रदर्शन आलमगीर गौरी ने किया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वरिष्ठ सेनानी मौजूद रहे.

वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे पर कार्यक्रम का आयोजन

इंदौर. वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इंदौर के मनोविज्ञान विभाग में शुक्रवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मुख्य वक्ता डॉ. संदीप अत्रे, काउंसलिंग साइकोलोजिस्ट ने मानसिक स्वास्थ्य को समझने के लिए पांच आधार व्यक्तित्व, परिवार, परिवेश, परिस्थिति एवं शरीर विज्ञान को महत्वपूर्ण बताया. उन्होंने कहा कि समस्या के समाधान से बेहतर है उसकी पूर्व तैयारी और रोकथाम. अतिथि वक्ता डॉ. राहुल माथुर ने डिजिटल लत, तकनीकी निर्भरता और आपदा स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई. कुलपति डॉ. योगेश चंद्र गोस्वामी ने कहा कि वास्तविक शिक्षा का उद्देश्य आत्मविकास और सामाजिक संवेदनशीलता का विकास है. उन्होंने माइंडफुलनेस और कार्य-जीवन संतुलन को मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बताया. कार्यक्रम की समन्वयिका प्रो. आकांक्षा सक्सेना ने मानसिक कल्याण, आशा और सहानुभूति पर जोर दिया. सोशल साइंसेज संस्थान की कोऑर्डिनेटर डॉ. रूपा शिंदे ने विद्यार्थियों को आंतरिक शांति, आत्मसजगता और सहानुभूति अपनाने का संदेश दिया. कुलाधिपति पुरुषोत्तमदास पासारी ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता की सराहना की.

महिलाओं ने किया करवाचौथ का सामूहिक उद्यापन

इंदौर. ब्राह्मण सेवा संगठन के प्रकल्प कर्मेशु मातृशक्ति बंधन की मेजबानी में विट्ठल- रुक्मिणी गार्डन पर 19 महिलाओं के करवा चौथ व्रत का सामूहिक उद्यापन किया गया. संगठन के अध्यक्ष पं. सत्येंद्र शर्मा एवं नीलम सुगंधी ने बताया कि प्रकल्प की प्रभारी संगीता शर्मा, मोनिका दुबे, अध्यक्ष ममता शर्मा के मार्गदर्शन में विधि-विधान से पूजन किया गया. पूर्व महापौर डॉ. उमाशशि शर्मा सहित अनेक अतिथि शामिल हुए. संगठन की ओर से अंजलि शर्मा, संतोष शर्मा, विजयलक्ष्मी कौशिक, अनिता शर्मा, उमा दीक्षित, सीमा शर्मा, दीपिका शर्मा, वर्षा व्यास, वर्षा शर्मा ने मेहमानों की अगवानी कर उपहार भेंट किए. विभिन्न व्यवस्थाओं में हंसा मिश्रा, कविता शर्मा, पूनम शर्मा, शीतल शर्मा, रिंकू तिवारी, सीमा ओझा, मोना मिश्रा, रश्मि सुगंधी, मधुबाला शर्मा, लीला शर्मा, किरण उपाध्याय, मनीषा जोशी, सुनीता पाठक, संध्या शर्मा, पूजा मिश्रा आदि ने पूरे उत्साह से सहयोग दिया. संगठन के पं. मेहुल कुमानी, पं. विजय जोशी एवं ममता जोशी ने मनोहारी भजन प्रस्तुत किए. अध्यक्ष ममता शर्मा ने इस मौके पर 19 फरवरी को 21 युगलों के सामूहिक विवाह की घोषणा की तो समाजसेवी डॉ. मधुर शर्मा, डॉ. अपूर्व शर्मा एवं डॉ. नीतू शर्मा ने 1 लाख 51 हजार रुपए का सहयोग देने की घोषणा की. प्रकल्प की ओर से दानदाताओं का सम्मान किया गया. शहर अध्यक्ष उषा शर्मा ने आभार माना.

बच्चों ने देखी एनिमेटेड सीरीज़ कुरुक्षेत्र

इंदौर. नेटफ्लिक्स का मूविंग थिएटर महाभारत की अमर कथा सुनाते हुए इंदौर के श्री साई पैलेस गार्डन पहुँचा. यहाँ पर दर्शकों को एयर-कंडीशंड सीटिंग, बड़ी स्क्रीन, थीम्ड गेम्स और मजेदार फोटो ज़ोन के साथ बिल्कुल सिनेमैटिक अनुभव प्राप्त हुआ. दर्शकों को महाभारत के बारे में हाल ही में लॉन्च हुई एनिमेटेड सीरीज़, कुरुक्षेत्र देखने का अवसर मिला. इस मूविंग थिएटर शो को देखने के लिए बहुत तादात में लोग आए. फैंस एक एपिसोड की स्पेशल स्क्रीनिंग देखने के लिए बहुत अधिक उत्साहित थे. उन्होंने किरदारों से प्रेरित हाउज़ी गेम्स में हिस्सा लिया. उन्हें थीमैटिक उपहार एवं मर्चेंडाइज़ दिए गए. यह एक यादगार ईवेंट थी. लोगों की सबसे अधिक दिलचस्पी फोटो बूथ में थी, जहाँ एकत्रित होकर वो अपने महत्वपूर्ण क्षणों को कैमरे में कैप्चर करना चाहते थे. यह ईवेंट सभी उम्र के लोगों को बहुत ज्यादा पसंद आई. यहाँ पर कॉलेज के बच्चों से लेकर परिवारों तक, विभिन्न पीढ़ियों के लोगों ने एकत्रित होकर साहस, धर्म और नियति की यह अमर कहानी देखी. इंदौर में यह आयोजन नेटफ्लिक्स के मल्टी-सिटी अभियान का हिस्सा था.

चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

इंदौर. अन्नपूर्णा पुलिस ने दशहरा मैदान क्षेत्र से एक युवक को अवैध चाकू रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है. सब इंस्पेक्टर अजयसिंह चौहान ने बताया कि आरोपी 20 वर्षीय गौतम दुबे निवासी गुरुनानक कॉलोनी से तलाशी के दौरान लोहे का खटकेदार चाकू बरामद किया गया, जिसकी लंबाई 9.3 इंच बताई गई है. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है.

महू में दिनोदिन बदतर होती जा रही यातायात व्यवस्था

आए दिन बनती है विवाद की स्थिति

यातायात पुलिस और प्रशासन बने उदासीन

छावनी बोर्ड अध्यक्ष से हस्तक्षेप की दरकार

महू. शहर में यातायात की स्थिति दिन-प्रतिदिन बदतर होती जा रही है. इससे आने-जाने वाले वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. आए दिन विवाद की स्थिति भी बनती रहती है. इसे देखते हुए नागरिकों ने इस स्थिति से निजात दिलाने के लिए स्टेशन कमांडर और शहर का संचालन करने वाले छावनी बोर्ड के अध्यक्ष ब्रिगेडियर अतुल भाटिया से हस्तक्षेप की मांग शुरू कर दी है.

शहर के हरिफाटक से मोतीमहल टॉकीज तक फैली मुख्य सड़क, प्लॉडेन रोड, भायाजी रोड छावनी अस्पताल और रेडक्रॉस अस्पताल के आसपास के इलाके, वाहनों से ठसाठस भरे रहते हैं. गैरेज मालिकों और पुराने वाहनों के डीलरों ने उन्हें सड़कों के दोनों ओर पार्क कर दिया है. इससे सड़कें संकरी हो गई हैं.

परिणामस्वरूप यातायात व्यवस्था चौपट हो गई है. दोपहिया वाहन, ठेले वाले और पैदल यात्री धक्का-मुक्की करते नजर आते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा हमेशा बना रहता है. कबाड़ वाहनों की भरमार न केवल शहर की सुंदरता को बिगाड़ रही है, बल्कि दुर्घटनाओं का कारण भी बन रहा है.

अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक की पहल

स्थानीय निवासियों का मानना है कि यातायात समस्या से निजात के लिए छावनी बोर्ड के अध्यक्ष ब्रिगेडियर अतुल भाटिया को हस्तक्षेप करना चाहिए. इस समस्या के निदान की कुंजी ब्रिगेडियर भाटिया के पास है. पुलिस, एसडीएम और छावनी बोर्ड के अधिकारियों के साथ एक संयुक्त बैठक की पहल करके वे एक समन्वित समाधान का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं. स्थानीय लोगों का तर्क है कि ऐसी बैठक ही सड़कों को साफ करने तथा महू में यातायात व्यवस्था बहाल करने का एकमात्र व्यावहारिक रास्ता है.

आएदिन होती दुर्घटनाएं

माल से लदे ट्रक, ठेले वाले और पैदल यात्रियों में आए दिन विवाद होते रहते हैं और दुर्घटना का खतरा भी हमेशा बना रहता है. यातायात पुलिस, एसडीएम और छावनी बोर्ड से नागरिकों द्वारा बार-बार आग्रह करने के बावजूद इस समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है. इस कारण लोगों में निराशा के साथ ही आक्रोश पनप रहा है. लोग इस अनदेखी को नौकरशाही की जड़ता निरूपित कर रहे हैं.

ग्रीनफील्ड सड़क परियोजना पर किसानों का विरोध...

बोले- उचित मुआवजा नहीं मिला तो सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

इंदौर. ग्रीन फील्ड सड़क परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण को लेकर शनिवार को कलेक्टर कार्यालय में किसानों और प्रशासन के बीच हुई बैठक बेनतीजा रही. जम्बूर्डी हप्सी, रतनखेड़ी, बीबीखेड़ी और हरियाखेड़ी गांवों के किसानों ने जमीन के मूल्यांकन को लेकर असहमति जताते हुए कहा कि यदि उचित मुआवजा या जमीन के बदले जमीन नहीं दी गई, तो वे सुप्रीम कोर्ट तक कानूनी लड़ाई लड़ेंगे और आंदोलन भी करेंगे.

कलेक्टर शिवम वर्मा ने किसानों को बातचीत के लिए बुलाया था, लेकिन चर्चा किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी. बैठक में दोनों पक्षों के वकील भी मौजूद थे. किसानों ने आरोप लगाया कि प्रशासन औने-पौने दामों पर जमीन ले रहा है, जबकि सरकारी गाइडलाइन दरें वास्तविक बाजार मूल्य से बहुत कम हैं. जम्बूर्डी हप्सी में जमीन का सरकारी भाव करीब 7 लाख रुपए प्रति बीघा, रतनखेड़ी में 6 लाख, जबकि बीबीखेड़ी और हरियाखेड़ी में 5 लाख रुपए प्रति बीघा तय किया गया है. वहीं, किसानों का कहना है कि इन इलाकों का बाजार मूल्य एक करोड़ रुपये प्रति बीघा से अधिक है. किसानों का कहना है कि पहले भी रिंगरोड के लिए 60 बीघा जमीन ली गई थी, अब ग्रीन फील्ड कॉरिडोर के नाम पर 105 बीघा और ली जा रही है. उनका आरोप है कि यह अधिग्रहण सिंहस्थ के लिए नहीं, बल्कि पीथमपुर को जोड़ने वाली सड़क के लिए किया जा रहा है, जो चिंतामण गणेश से पितृ पर्वत तक जाएगी.

आस्था की आड़ में ले रहे जमीन...

किसानों ने कहा कि आस्था की आड़ में हमारी जमीनें ली जा रही हैं. वहीं पूर्व सरपंच शिवसिंह ने कहा कि हमें पता है प्रशासन सरकार के खिलाफ नहीं जाएगा, लेकिन हम औने-पौने दामों पर जमीन नहीं जाने देंगे. जरूरत पड़ी तो सुप्रीम कोर्ट तक जाएंगे. किसानों ने यह भी कहा कि अधिग्रहण में सिर्फ खेत ही नहीं, बल्कि कुएं, मकान और गोदाम भी शामिल हैं, जिनका मुआवजा नहीं दिया जा रहा है.

राजकीय सम्मान के साथ पंचतत्व में विलीन शहीद संजय मीणा

देवास. अरुणाचल प्रदेश में भूस्खलन के दौरान ड्यूटी निभाते हुए शहीद हुए संजय मीणा आज अपने पैतृक गाँव संवरसी में राजकीय सम्मान के साथ पंचतत्व में विलीन हो गए.

सैकड़ों लोगों ने नम आँखों से अपने वीर सपूत को अंतिम विदाई दी. शहीद के अंतिम दर्शन के लिए सुबह से ही लोगों का तांता लगा रहा, हर किसी की आँखों में आँसू और दिल में गर्व का एहसास था. सेना के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर शहीद को सलामी दी.

इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे. गाँव के आसमान में भारत माता की जय और शहीद संजय मीणा अमर रहें के नारों से गूंज उठी पूरी वादी. शहीद संजय मीणा ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की रक्षा का जो उदाहरण पेश किया है, वो आने वाली पीढ़ियों को सदा प्रेरित करे.

संगठित व प्रशिक्षित होकर प्रदेश के विकास में योगदान दें महिलाएं

डेवलपमेंट फाउंडेशन की बैठक में प्रबुद्ध महिलाओं ने रखे विचार

इन्दौर. मध्य प्रदेश के विकास में महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान है, शिक्षित एवं शहरी महिलाएं अपनी नौकरी, व्यवसाय आदि के पश्चात,सामाजिक-पारिवारिक जिम्मेदारियों को संभालते हुए एवं ग्रामीण व अशिक्षित महिलाएं अपने शारीरिक श्रम के अलावा पारिवारिक जिम्मेदारी पूर्ण कर विकास में योगदान दे रही हैं.

पंचायतों से लेकर रक्षा,सुरक्षा, विज्ञान एवं सामाजिक क्षेत्रों में भी महिलाओं की भूमिका सराहनीय है, तथापि इसे व्यापक स्वरूप दिया जाना चाहिए. महिलाओं को शिक्षण, प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी भूमिका और दायित्व का दायरा विस्तृत करना चाहिए.

उक्त बातें विभिन्न प्रबुद्ध महिला वक्ताओं ने डेवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा जाल सभागृह में आयोजित बैठक में कहीं. डेवलपमेंट फाउंडेशन के तत्वावधान में मध्य प्रदेश के विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर आयोजित इस बैठक में समाज के विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिनिधि महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए महत्वपूर्ण सुझाव दिए. अध्यक्षता देवी अहिल्या विश्वविद्यालय कौशल विकास विभाग की अध्यक्ष डॉ. रेखा आचार्य ने की. मुख्य वक्ता पत्रकार जयश्री पिंगले थीं. बैठक में रंजना नाइक, अर्चना बाजपेयी दाजी, डॉ. ऊषा ऊकाड़े, मेघा बर्वे, डॉ. रमा चौहान, वीना वर्मा, प्रो. असद खान, मुकेश चौहान, फरोख दाजी, शफी शेख, अशोक मित्तल आदि ने भी अपने विचार रखे. प्रारंभ में डेवलपमेंट फाउंडेशन के प्रबंध न्यासी आलोक खरे ने विषय की भूमिका एवं फाउंडेशन द्वारा मध्य प्रदेश के विकास पर केंद्रित प्रस्तावित सम्मेलन की जानकारी दी. संचालन श्याम पांडे ने तथा अंत में प्रणिता दीक्षित ने आभार व्यक्त कि

संगठित होकर सामाजिक स्थिति सुदृढ़ करें

मुख्य वक्ता जयश्री पिंगले ने कहा कि उन्होंने कहा कि मप्र की महिलाओं ने अपनी ताकत एवं शक्ति का एहसास कराकर सरकार बनाने एवं बदलने की क्षमता प्रदर्शित की है. लाड़ली बहना के नाम पर देश में पहली बार मध्य प्रदेश की महिलाओं ने सरकार बनवाकर अपनी शक्ति और अपने वोट की ताकत का एहसास तो कराया है, किंतु समावेशी विकास के मानकों में मध्य प्रदेश अन्य प्रांतों की अपेक्षा बहुत पीछे है. महिलाएं अल्पकालिक लाभ की बजाय संगठित होकर अपनी सामाजिक स्थिति को सुदृढ़ करें.

विद्यार्थियों ने घर-घर जाकर किया जागरूक

- **ओरिएंटल यूनिवर्सिटी और इंदौर रेड रिबन क्लब का संयुक्त आयोजन**
- **एड्स जागरूकता व विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया**

इंदौर. ओरिएंटल यूनिवर्सिटी के एनएसएस एवं कृषि संकाय के विद्यार्थियों द्वारा रेड रिबन क्लब के सहयोग से विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर ग्रामीण क्षेत्रों देओली, तानरन और बलोदा गांव में घर-घर तथा शासकीय प्राथमिक विद्यालय स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर जागरूकता अभियान चलाया.

मुख्य विशेषज्ञ रूपेश वर्मा (आईसीटीसी काउंसलर, अरविंदो हॉस्पिटल एंड मेडिकल कॉलेज, इंदौर) थे. जिन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, तनाव प्रबंधन और एचआईवी/एड्स से बचाव के उपायों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की. कार्यक्रम में स्वास्थ्य वार्ता, रोकथाम रणनीतियां, जागरूकता रैलियां एवं पोस्टर अभियान जैसे आयोजन किए गए, जिनमें विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. बिजेन्द्र कुमार प्रोफेसर प्रभारी एनएसएस ने की. सह-समन्वयक के रूप में डॉ. प्रवीण कुमार साहू एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. आनंद मिश्रा असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉ. ज्योति लोहरे, हेमंत कुमार वर्मा, गोपाल एवं अक्षय शुक्ला ने सक्रिय भूमिका निभाई. इस जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सकारात्मक सोच का प्रसार करना एवं मानसिक स्वास्थ्य तथा एचआईवी/एड्स जैसे गंभीर विषयों पर रोकथाम संबंधी जानकारी प्रदान करना था. भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की इच्छा व्यक्त की. कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विशिष्ट अतिथियों में चांसलर डॉ. प्रवीण ठकुराल , डॉ. गौरव ठकुराल एवं डॉ. प्रो-चांसलर ध्रूव घई, वाइस-चांसलर डॉ. अमोल गौर, चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. गरिमा घई, रजिस्ट्रारडॉ. प्रद्युम्न यादव, सरपंच ठाकुर आजाद सिंह तोमर बलोदा गांव वं अनेक ग्रामवासी उपस्थित रहे.

इंदौरियों ने चखा मराठी व्यंजनों का स्वाद

इंदौर. मराठी सोशल ग्रुप द्वारा आयोजित किया जाने वाला सालाना आयोजन रजत जयंती वर्ष जत्रा में दूसरे दिन हजारों इंदौरियों ने दीपावली की जमकर खरीददारी की. मराठी व्यजनों के स्वाद के साथ ही महाराष्ट्र की परंपरागत लावणी का भी आनंद लिया. चार दिवसीय जत्रा सोमवार तक चलेगा. संस्था के सुधीर दांडेकर और राजेश शाह ने बताया कि जत्रा में दूसरे दिन शनिवार को दोपहर 1.30 बजे से इंदौरियों का आना शुरू हो गया. दीपावली की खरीददारी शुरू कर दी थी. शाम होते ही इंदौरियों का जमावड़ा व उत्साह देखते ही बन रहा था. स्वाद प्रेमियों ने खूब मराठी व्यंजनों का लुत्फ उठाया। इंदौरियों ने मराठी व्यंजनों का स्वाद चखा, स्वाद प्रेमियों का जमावड़ा लगा रहा, चखते ही बोले स्वादप्रेमी वाह मजा आ गया। इंदौरियों ने मराठी व्यंजनों का लुत्फ उठाया, इसमें 50 से ज्यादा मराठी व्यंजनों के स्टॉल रहे, दिन में पूरण पोळी, झुणका भाकर, भाकरवाडी, सोलकढ़ी सहित अन्य व्यंजन परोसे गए. आयोजन में विधायक गोलू शुक्ला सम्मिलित हुए.

तृप्ति महाजन और सुमेधा बावकर ने बताया कि इंदौरियों ने हैंडीक्रॉफ्ट आइटम जिसमें गृह साज-सज्जा दीपावली डेकोरेशन इसके अलावा हस्त निर्मित खाद्य पदार्थ और विशेष कोकण के उत्पाद की भी खूब खरीदारी की. दर्शन जागीरदार और नीरज तेलंग ने बताया कि सीनियर सिटीझन एवं निशक्तजनों के लिए गांधी हॉल मुख्य प्रवेश द्वार से जत्रा परिसर तक निःशुल्क ई रिक्शा की व्यवस्था की गई है. जत्रा 13 अक्टूबर सोमवार तक सुबह 11 बजे से रात्रि 11 बजे तक चलेगा.

अनाथ एवं विशेष रूप से सक्षम बच्चों के साथ दिवाली मनाएगा जीतो

इंदौर. जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) ने इस दिवाली सेवा वाली दिवाली मनाने का संकल्प लिया है. जीतो यूथ विंग अपने सदस्यों के सहयोग से इंदौर के विभिन्न आश्रमों व गैर सरकारी संगठनों के 2000 से अधिक अनाथ एवं विशेष रूप से सक्षम (स्पेशियली एबल्ड) बच्चों के साथ दिवाली का पर्व मनाने जा रहा है. 13 अक्टूबर शाम 5 बजे ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजन में बच्चों के लिए सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, स्वादिष्ट भोजन, उपहार वितरण और मनोरंजन के कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. इस अवसर पर जीतो ने 200 से अधिक बच्चों की एक वर्ष की शिक्षा का संकल्प लिया है. जीतो के प्रतिनिधि प्रतीक सूर्या ने कहा हमारा उद्देश्य दिवाली के उत्सव को सेवा से जोड़कर एक सकारात्मक सामाजिक संदेश देना है.खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव की विशेष उपस्थिति रहेगी. गायिका पलक मुछाल अपनी मनमोहक प्रस्तुति से इस शाम को और यादगार बनाएंगी. इस सेवा अभियान में प्रतीक सूर्या, मयंक दोषी , अनल जैन, प्रखर मेहता, दीपम डगरिया ,दिव्य दोशी, ग्रीष्म जैन,कृष मेहता, उर्जा मेहता, शिक्षा बोथरा, रागिनी बाफना, विदुषी जैन, गृश्मा जैन, रिद्धि कांकरिया, प्रसिद्धि कांकरिया, तृषि जैन , श्रेष्ठ जैन, शैफाली जैन जैसे युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है.

एक नजर में | श्री मोरेश्वर वामन मोघे स्मृति अंतरविद्यालयीन भजन स्पर्धा, लोकमान्य विद्या निकेतन स्कूल रहा अव्वल

बाल निकेतन संघ में गूंजी भजनों की मधुर स्वर लहरियां

तीरथ बाई कलाचंद स्कूल द्वितीय और भवंस प्रोमिनेंट स्कूल तृतीय

इंदौर. लोग गुजर जाते हैं, लेकिन उनकी दी हुई सीख हमेशा याद रहती है, प्रेरित करती है. महात्मा गांधी और विनोबा भावे के सिद्धांतों से प्रेरित, दादा साहेब के नाम से प्रसिद्ध स्व. मोरेश्वर वामन मोघे (दादा सा) अपने आदर्शों, समाजसेवा और मानवीय मूल्यों के लिए सदैव स्मरणीय रहेंगे. उनकी पुण्यतिथि पर प्रतिवर्ष पगनिसपागा स्थित बाल निकेतन संघ में विशेष आयोजन कर उनके विचारों को जीवंत किया जाता है.

इस वर्ष दादा सा की 20वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में शुक्रवार को आयोजित अंतरविद्यालयीन सामूहिक भजन प्रतियोगिता में शहर के 13 विद्यालयों ने भाग लिया. प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति से वातावरण को भक्तिमय बना दिया. लोकमान्य विद्या निकेतन स्कूल ने प्रथम, तीरथ बाई कलाचंद स्कूल ने द्वितीय, और भवंस प्रोमिनेंट स्कूल ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया, जबकि प्रतियोगिता ने शानदार प्रदर्शन देने पर दो बच्चों माधव खंडेलवाल और सनातन उपाध्याय को प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गायक दीपक बिडवई, शास्त्रीय संगीत गायिका स्मिता मोकाशी तथा देश की पहली महिला पखावज वादक चित्रांगना आगले रेशवाल उपस्थित रहीं. निर्णायक मंडल द्वारा चयनित विजेता विद्यालयों को चलत मंजूषा, ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए, वहीं अन्य प्रतिभागी विद्यालयों को प्रोत्साहन प्रमाणपत्र दिए गए. बाल निकेतन संघ की सचिव डॉ. नीलिमा अदमणे, प्राचार्य संदीप धाकड़ व मुख्य अतिथियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए पुरस्कार राशि एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए.

अतिथि दीपक बिडवई ने कहा कि संगीत केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यह अनुशासन सिखाता है. चित्रांगना आगले रेशवाल ने कहा कि कला की कोई सीमा नहीं होती और हर कोई इसे सीख सकता है. बाल निकेतन संघ की शिक्षिका श्रुति खानवलकर ने आभार व्यक्त व्यक्त किया.